# भाकृअनुप-केंद्रीय अंतर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर में हिन्दी सप्ताह 2021 का आयोजन

**उद्घाटन समारोह**

भाकृअनुप-केन्द्रीय अंतर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर में दिनांक 14-21 सितंबर 2021 के दौरान हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया। प्रत्येक वर्ष संस्थान में राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने की दिशा में हिंदी सप्ताह का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष कोविड-19 महामारी के कारण हिन्दी सप्ताह का उदघाटन तथा अन्य प्रतियोगिताएं ऑनलाइन मोड में 'ज़ूम मीट' प्लेटफार्म पर आयोजित की गई। हिन्दी सप्ताह का उदघाटन दिनांक 14 सितंबर 2021 को किया गया। उदघाटन समारोह में संस्थान मुख्यालय कर्मियों के साथ इसके क्षेत्रीय केन्द्रों/स्टेशनों (इलाहाबाद, बैंगलोर, गुवाहाटी, वडोदरा, कोलकाता और कोच्चि) ने भी भाग लिया। इस उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना, महाध्यक्ष (निर्वाचित), भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, पूर्व महाध्यक्ष, भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था को आमंत्रित किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के स्वागत गीत से हुई। इस अवसर पर डॉ. श्रीकान्त सामन्ता, सर्वकार्यभारी, हिंदी कक्ष एवं प्रभागाध्यक्ष ने ऑनलाईन मोड में उपस्थित समस्त वैज्ञानिकों/कार्मिकों एवं सभा कक्ष में उपस्थित वैज्ञानिकोंतकनीकी व प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागात किया।/छात्राओं-शोध छात्र/ उद्घाटन समारोह के स्वागत भाषण में उन्होंने संस्थान के हिन्दी कार्यों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होने संस्थान को प्राप्त पुरस्कारों जैसे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार, रफी अहमद श्रेष्ठ वैज्ञानिक पुरस्कार और नीलांजलि पत्रिका को प्रोत्साहन पुरस्कार के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होने कहा कि संस्थान का हिन्दी वृत्तचित्र विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वेबसाइट पर अपलोड किए गए है जो हमारे संस्थान के लिए गर्व की बात है।

संस्थान के निदेशक डॉ. बि. के. दास ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाने से पहले गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा निर्देशित राजभाषा प्रतिज्ञा की शपथ ऑफलाईन/ऑनलाईन पर उपस्थित समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को दिलवायी।

इस अवसर पर संस्थान के संयुक्त निदेशक (प्रशासन) सह कुलसचिव, श्री राजीव लाल ने कहा कि सितम्बर माह में देश भर में हिन्दी समारोह मनाया जाता है इसलिए यह महीना एक प्रकार से हिन्दी के लिए ही समर्पित है। हिन्दी एक समृद्ध भाषा है जिसमें कोई मूक स्वर या व्यंजन का उपयोग नहीं किया जाता है। बहुत से ऐसे देश है जैसे सूरीनाम आदि जहां रेडियो और टीवी चैनल हिन्दी प्रसारण करते हैं। हमारी शिक्षा नीति में भी हिन्दी की भूमिका महत्वपूर्ण रखी गई है। इसलिए हमें भी इसके प्रचार-प्रसार हेतु अधिक चेष्टा करना चाहिए। इनके अलावा सभी प्रभागाध्यक्षों और क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी वैज्ञानिकों ने हिन्दी प्रचार-प्रसार पर ज़ोर दिया। उन्होने कहा कि हिन्दी जनमानस की भाषा है और मत्स्य पालकों/मछुआरों तक हमारे संस्थान के तकनीकों और प्रौद्योगिकी को हिन्दी भाषा के माध्यम से पहुंचाया जा सकता है।

संस्थान के आदरणीय निदेशक महोदय ने सर्वप्रथम सभी को हिन्दी दिवस की बधाई दी और कहा कि यदि शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना है तो मातृभाषा को मजबूत करना चाहिए। चूंकि देश में हिन्दी बोलने वालों की संख्या बहुत अधिक है इसलिए इसका विकास और सुदृढीकरण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मात्स्यिकी शोध को हिंदी माध्यम से किसानों तक पहुंचाना चाहिए।

मुख्य अतिथि डॉ. (श्रीमती) विजया लक्ष्मी सक्सेना ने अपने उदबोधन में संस्थान के हिंदी प्रकाशनों की सराहना की। उन्होने कहा कि कोरोना महामारी में भी सिफ़री ने अपने अथक प्रयास से संस्थान के कार्यों में वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि हिन्दी को बढ़ावा देने में सोशल मीडिया का विशेष महत्व है और सरल हिन्दी के प्रयोग से इसके विस्तार में बहुत सहायता मिलेगी। उन्होने महान दार्शनिक और समाज सुधारक, केशव चंद्रसेन की उक्ति का संदर्भ दिया जिसके अनुसार, देश में केवल हिन्दी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है इसलिए इसे ही राजभाषा होना चाहिए। विशिष्ट अतिथि डॉ. अशोक सक्सेना ने अपने संबोधन में सर्वप्रथम निदेशक महोदय को पुरस्कार मिलने पर बधाई दी। उन्होने संस्थान के हिन्दी कार्यों और प्रकाशनों की सराहना की। उन्होने हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर संस्थान की हिंदी सि□फरी मासिक समाचार पत्रिका, अंक अगस्त 2021 तथा "अलवण जल एवं मत्स्य पारिस्थितिकी" पुस्तक का विमोचन किया गया। इस समारोह में मंच संचालन, डॉ. (श्रीमती) सुमन कुमारी, वैज्ञानिक ने किया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई।

**समापन समारोह**

भाकृअनुप-केन्द्रीय अंतर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर में हिंदी सप्ताह समापन समारोह दिनांक 21 सितम्बर, 2021 को ऑफलाईन/ऑनलाईन मोड में अपराह्न 4.00 बजे संस्थान के सभा कक्ष में सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. बि. के. दास ने की। कार्यक्रम का स्वागत संबोधन श्री एस. के. साहू, वैज्ञानिक के द्वारा प्रस्तुत किया गया। अपने स्वागत संबोधन में हिंदी सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के बारे में विधिवत जानकारी दी।

हिंदी सप्ताह समापन समारोह में भाकृअनुप-केन्द्रीय अंतर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान के सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के कार्यकारी अध्यक्ष ने अपना संबोधन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि कार्यालय काम काज में हिंदी का और अधिक प्रयोग करना चाहिए। क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि वैज्ञानिक अविष्कारों को आमलोगों तथा किसानों तक पहुंचाने के लिए हिंदी भाषा ही सबसे सशक्त एवं प्रभावी माध्यम है।

श्री राजीव लाल, संयुक्त निदेशक (प्रशासन) सह कुल सचिव ने कार्यालय में हो रहे हिंदी काम पर संतोष व्यक्त किया और अनुरोध किया कि समस्त कार्मिकों को हिंदी भाषा में काम काज को बढ़ावा देना चाहिए।

श्री प्रवीण मौर्य, वैज्ञानिक ने हिंदी सप्ताह के दौरान आयोजित चार प्रतियोगिताओं जैसे हिंदी निबंधन, हिंदी अनुवाद, आशुभाषण एव काव्य पाठ आदि के आयोजन एवं पुरस्कार वितरण के लिए अपना संबोधन प्रस्तुत किया।

निदेशक महोदय ने सभी प्रतिभागियों एवं विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि संस्थान के समस्त हिंदी प्रकाशन समय पर हो जाने चाहिए। हिंदी प्रकाशन कार्य के लिए समर्पित अधिकारियों/कर्मचारियों के योगदान की प्रशंसा की। उन्होने कहा कि सभी कर्मचारियों को अपना काम हिंदी में जारी रखना चाहिए।

इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को निदेशक महोदय द्वारा पुरस्कार प्रदान किये गये। संस्थान के अधिकारियों को परिषद द्वारा जारी दिशा-निर्देशों तथा हिंदी प्रोत्साहन योजना के तहत नकद पुरस्कार भी वितरित किए गए। निदेशक महोदय ने हिंदी प्रकाशन में उत्कृष्ठ कार्य करने वाले वैज्ञानिकों एवं तकनीकी अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार राशि से सम्मानित भी किया।

डॉ. (श्रीमती) सुमन कुमारी, वैज्ञानिक ने सभा कक्ष में उपस्थित सहकर्मियों व ऑनलाईन मोड द्वारा उपस्थित संस्थान मुख्यालय के सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के कार्मिकों को धन्यवाद दिया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई।